IJAER/January-February 2021/Volume-10/Issue-4 ISSN: 2278-9677
International Journal of Arts & Education Research

हिंदी पत्रकारिता: डिजिटल युग में चुनौतियाँ और अवसर

डॉ अंजू अग्रवाल

सह आचार्य, हिंदी

बाबा गंगा दास राजकीय महिला महाविद्यालय, शाहपुरा (जयपुर)।

सार

डिजिटल मीडिया को पत्रकारिता का भविष्य कहा जाता है, जिस तेजी से हम टेक्नोलॉजी सेवी हो रहे हैं, वे आधुनिकता का परिचायक तो है, लेकिन यदि डिजिटल मीडिया का मौजूदा स्वरूप ही 'भविष्य' बनेगा। हमारे द्वारा प्रस्तावित सैद्धांतिक अध्ययन में, हमने विशेष साहित्य के विश्लेषण और हमारे द्वारा किए गए कुछ शोध अध्ययनों के बाद, डिजिटल मूल पीढ़ी की विशेषताओं का पता लगाते हुए, शैक्षिक घटना पर डिजिटल युग के निहितार्थ की पहचान की है। शिक्षार्थियों की वर्तमान पीढ़ियाँ वैश्विक स्तर पर हुए प्रमुख परिवर्तनों की प्रतिपादक हैं वैश्वीकरण, अंतर्राष्ट्रीयकरण और डिजिटलीकरण। परिणामस्वरूप, ये घटनाएं शैक्षिक प्रणालियों को तेजी से प्रभावित कर रही हैं, जिससे शिक्षक-केंद्रित, छात्र-केंद्रित, सहयोगात्मक शिक्षा और शैक्षिक पथों के वैयक्तिकरण पर आधारित पुराने शैक्षिक मॉडल को बदलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। यह प्रतिमान बदलाव कार्य के तरीके और प्रकार में भविष्य में होने वाले बदलावों से जुड़ा है। इस प्रकार, व्यापार की गतिशीलता से संबंधित पूर्वानुमानित अध्ययन इस तथ्य पर ध्यान आकर्षित करते हैं कि अगले 10-20 वर्षों में लगभग 60% मौजूदा पेशे अब श्रम बाजार में मौजूद नहीं रहेंगे। इसके अलावा, डिजिटल प्रौद्योगिकियों के व्यापक उपयोग को देखते हुए, नई दक्षताओं की आवश्यकता है

मुख्य शब्द: *- डिजिटल, अवसर, चुनौतियाँ, युग*

परिचय

तकनीकी विकास को साथ-साथ जनसंचार माध्यमों यथा हिन्दी पत्रकारिता के रूख में तेजी से परिवर्तन देखने को मिला है। तकनीकी के विस्तार से हिन्दी पत्रकारिता के विस्तार में मदद मिली है। हिन्दी समाचार चैनल, समाचार पत्रों के साथ-साथ हिन्दी में समाचार वेबसाइट के कारण हिन्दी पत्रकारिता का दायरा बढ़ा है। हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसायिक कलेवर में ढाला जा चुका है। वहीं तमाम समानान्तर माध्यम भी कार्य कर रहे है, जो व्यवसायिकता से अभी परे है। यह समय के साथ लगातार विकसीत हो रहा है। तकनीकी के कारण सूचनाओं पर लगने वाली बंदिशे कम हुई है और लोगो तक अबाध सूचना का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इन सबके चलते हिन्दी पत्रकारिता ने नये दौर मे प्रवेश किया है।

21वीं शताब्दी सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। आधुनिक संचार तकनीकी का मूल आधार इन्टरनेट है। कलमविहीन पत्रकारिता के इस युग में इन्टरनेट पत्रकारिता ने एक नए युग का सूत्रपात किया है। वेब पत्रकारिता को हम इन्टरनेट पत्रकारिता, ऑनलाइन पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता के नाम के जानते है। यह कम्प्यूटर और इंटरनेट द्वारा संचालित एक ऐसी पत्रकारिता है, जिसकी पहुँच किसी एक पाठक, एक गाँव, एक प्रखण्ड, एक प्रदेश, एक देश तक नहीं अपितु समूचे विश्व तक है।

प्रिंट मीडिया से यह रूप में भी भिन्न है इसके पाठकों की संख्या को परिसीमित नहीं किया जा सकता है। इसकी उपलब्धता भी सर्वाधिक है। इसके लिए मात्र इन्टरनेट और कम्प्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल की जरूरत होती है। इंटरनेट वेब मीडिया की सर्वव्यापकता को भी चरितार्थ करती है जिसमें खबरें दिन के चौबीसों घण्टे और हफ्ते के सातों दिन उपलब्ध रहती हैं वेब पत्रकारिता की सबसे बड़ी खासियत है उसका वेब यानी तरंगों पर आधारित होना । इसमें उपलब्ध किसी दैनिक, साप्ताहिक, मासिक पत्र-पत्रिका को सुरक्षित रखने के लिए किसी आलमीरा या लाइब्रेरी की ज़रूरत नहीं होती। समाचार पत्रों और टेलीविजन की तुलना में इंटरनेट पत्रकारिता की उम्र बहुत कम है लेकिन उसका विस्तार बहुत तेजी से हुआ है। उल्लेखनीय है कि भारत में इंटरनेट की सुविधा 1990 के मध्य में मिलने लगी। इस विधा में कुछ समय पहले तक अंग्रेजी का एकाधिकार था लेकिन विगत दशकों में हिन्दी ने भी अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज की है। इंदौर से प्रकाशित समाचार पत्र 'नई दुनिया' ने हिन्दी का पहला वेब पोर्टल 'वेब दुनिया' के नाम से शुरू किया। अब तो लगभग सभी समाचार पत्रों का इंटरनेट संस्करण उपलब्ध है। चेन्नई का 'द हिन्दू' पहला ऐसा भारतीय अखबार है जिसने अपना इंटरनेट संस्करण वर्ष 1995 ई. में शुरू किया। इसके तीन साल के भीतर यानी वर्ष 1998 ई. तक लगभग 48 समाचार पत्र ऑन-लाइन हो चुके थे। ये समाचार पत्र केवल अंग्रेजी में ही नहीं अपितु हिन्दी सहित अन्य भारतीय भाषाओं जैसे मलयालम, तमिल, मराठी, गुजराती आदि में थे। आकाशवाणी ने 02 मई 1996 'ऑन-लाइन सूचना सेवा' का अपना प्रायोगिक संस्करण इंटरनेट पर उतारा था। एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2006 ई. के अन्त तक देश के लगभग सभी प्रतिष्ठित समाचार पत्रों एवं टेलीविजन चैनलों के पास अपना इंटरनेट संस्करण भी है जिसके माध्यम से वे पाठकों को ऑन-लाइन समाचार उपलब्ध करा रहे हैं।

पत्रकारिता का नया दौर

हिंदी डिजिटल पत्रकारिता के सामने एक बेहतर भविष्य है, लेकिन उसी सूरत में जब हमारी तैयारी अच्छी हो। जब हम ये समझ सकें कि नंबरों के दौड़ में बने रहना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है पत्रकारिता को जीवित रखना, क्योंकि पत्रकारिता जीवित रहेगी, तभी हमारा और आपका वजूद रहेगा। अंत में मैं महादेवी वर्मा की लिखी कुछ पंक्तियां कहना चाहूंगा। 'पत्रकारिता एक रचनाशील शैली है। इसके बगैर समाज को बदलना असंभव है। अत: पत्रकारों को अपने दायित्व और कर्तव्य का निर्वाह निष्ठापूर्वक करना चाहिए, क्योंकि उन्हीं के पैरों के छालों से इतिहास लिखा जाएगा'।

डिजिटल युग में शिक्षा के अवसर

डिजिटल युग में, इसकी विशिष्ट संस्कृति बहुत गतिशील, लचीली है और सामाजिक नवाचार और परिवर्तन की अनुमति देती है। यह डिजिटल कौशल को पुन: कॉन्फ़िगर करने का एक अच्छा समय है। औपचारिक शिक्षा के माध्यम से जो आजीवन सीखने की सुविधा प्रदान करती है, स्नातकों को अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करना संभव है, हालांकि भविष्य में उन्हें प्रौद्योगिकी की सेवा नहीं दी जानी चाहिए, यानी यह अंत नहीं होना चाहिए स्वयं, लेकिन सीखने में सुधार, अनुकूलन और लचीलेपन के लिए केवल एक उपकरण।

हमारा मानना है कि डिजिटल युग प्रारंभिक शिक्षक शिक्षा के परिप्रेक्ष्य से डिजिटल पीढ़ी प्रोफ़ाइल का सकारात्मक उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है ताकि उनके कौशल, क्षमताएं और दृष्टिकोण आदर्श शिक्षक प्रोफ़ाइल को आकार देने के लिए आधार प्रदान करें।

डिजिटल युग

डिजिटल युग वह युग है जिसमें तकनीकी उन्नति और डिजिटलीकरण की अवश्यकता ने हमारे समाज को पूरी तरह से प्रभावित किया है। यह एक ऐसा युग है जिसमें हम सभी डिजिटल डिवाइस, इंटरनेट, और विभिन्न डिजिटल सेवाओं के साथ जीते हैं। डिजिटल युग के आगमन के साथ ही, हमारे जीवन के कई पहलुओं में सुधार हुआ है। पहले के युग में संचालन में बदलाव के लिए हमें लम्बे समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी, जबकि अब हम तुरंत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट और मोबाइल डिवाइस के आगमन से व्यापार, शिक्षा, संचालन, और संचालन में नए तरीके आए हैं। डिजिटल युग ने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को भी प्रभावित किया है। आपके साथ एक स्मार्टफोन या कंप्यूटर होने के बिना आजकल कई कार्य असंभव हो गए हैं। ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर वीडियो कॉलिंग तक, हमने अपने रोज़मर्रा के कामों को भी डिजिटल बना दिया है। इसके अलावा, डिजिटल युग ने शिक्षा और विशेषज्ञता को भी बदल दिया है। अब हम ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से विश्वभर में अद्वितीय शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं और नौकरियों के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण ले सकते हैं। डिजिटल युग के साथ आए इन बदलावों ने हमारे समाज को एक नए दिशा में ले जाया है, जिसमें तकनीक का अद्वितीय महत्व है। हमें इस युग के साथ चलना होगा और तकनीकी सुधार की दिशा में अपने आप को अपग्रेड करना होगा, ताकि हम इस नए युग के साथ कदम से कदम मिला सकें।

अध्ययन का उद्देश्य

1. डिजिटल युग में पत्रकारिता का अध्ययन
2. दुनिया में डिजिटल युग की चुनौतियां का अध्ययन

कार्यप्रणाली

कॉर्पोरेट योजना के फिलीपीन डिजिटल युग में कंपनियों के सामने आने वाली चुनौतियों और अवसरों की जांच के लिए शोधकर्ताओं ने वर्णनात्मक अनुसंधान पद्धति को अपनाया। वर्णनात्मक अध्ययन के अनुसार, शोध उद्देश्यों में से एक विषय आबादी से जुड़ी घटनाओं या विशेषताओं का वर्णन करना था। सीमित और विशिष्ट जनसंख्या आकार के साथ-साथ बताए गए विशिष्ट मानदंडों के कारण, उत्तरदाताओं का चयन उद्देश्यपूर्ण और स्नोबॉल नमूने के संयोजन का उपयोग करके किया गया था। उपयोग किया जाने वाला प्राथमिक डेटा-एकत्रीकरण उपकरण Google फ़ॉर्म के माध्यम से वितरित एक सर्वेक्षण प्रश्नावली है। नुएवा एसिजा में विभिन्न फर्मों की प्रबंधन टीमों से उनतीस उत्तरदाताओं को चुना गया था जो पर्यवेक्षकों, प्रबंधकों और सी-स्तर के अधिकारियों जैसे कंपनी की योजना प्रक्रिया में सीधे शामिल थे। शोधकर्ताओं ने सामने आई समस्याओं और अवसरों से जुड़े पैटर्न और विषयों को उजागर करने के लिए आवृत्ति गणना और प्रतिशत का उपयोग करके एकत्रित डेटा का विश्लेषण किया। शोध कॉर्पोरेट योजना में उन्नत प्रौद्योगिकी के प्रभाव का भी वर्णन करेगा और इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपाय प्रदान करेगा।

परिणाम और चर्चा

डिजिटल युग में व्यवसायों के सामने कॉर्पोरेट नियोजन चुनौतियाँ आ रही हैं

तालिका 1. डिजिटल युग में कॉर्पोरेट योजना की चुनौतियाँ सामने आईं

चुनौतियां	आवृत्ति	प्रतिशत
डिजिटल व्यवधान	11	37.90%

काम की तेजी से बदलती प्रकृति और कौशल में अंतर	23	79.30%
बहु पीढ़ी कार्यबल	22	75.90%
तीव्र तकनीकी प्रगति	17	58.60%
डिजिटल परिवर्तन	17	58.60%

तालिका 1 डिजिटल युग में कॉर्पोरेट योजना के संदर्भ में नुएवा एसिजा में व्यवसायों के सामने आने वाली चुनौतियों को दर्शाती है। 79.30% (29 में से 23) या लगभग सभी उत्तरदाताओं को काम की तेजी से बदलती प्रकृति और कौशल अंतर से चुनौती मिली है, इसके बाद बहु-पीढ़ी कार्यबल (75.90%), तेजी से तकनीकी प्रगति और डिजिटल परिवर्तन (58.60%) हैं। और डिजिटल व्यवधान (37.90%)। जैसा कि बुघिन एट अल द्वारा उद्धृत किया गया है। (2018), व्यवसायों को कौशल अंतर का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि डिजिटल परिवर्तन के कारण काम की प्रकृति तेजी से बदल रही है। डिजिटल युग नई तकनीकें और काम करने के तरीके लेकर आया है, जिससे संगठनों के लिए अपने कार्यबल की योजना बनाना और विकसित करना मुश्किल हो गया है, क्योंकि भविष्य के लिए आवश्यक कौशल आज के समान नहीं हो सकते हैं।

इसके अलावा, विविध कार्यबल पीढ़ियों की अलग-अलग अपेक्षाएं, प्राथमिकताएं और कार्यशैली होती हैं जो तनाव पैदा कर सकती हैं और कार्यस्थल के भीतर सहयोग में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के बढ़ते उपयोग के साथ, ये मतभेद और भी बढ़ सकते हैं क्योंकि युवा पीढ़ी प्रौद्योगिकी की तुलना में अधिक आरामदायक और परिचित होती है।

दूसरी ओर, फिलीपींस जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कई व्यवसाय तकनीकी परिवर्तन और डिजिटल परिवर्तन की तीव्र गति के अनुकूल होने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। फिलिएरी, रागुसेओ और इकोनेसी (2020) के अनुसार, डिजिटल परिवर्तन एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें किसी संगठन के संचालन के सभी पहलुओं में डिजिटल प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करना शामिल है। हालाँकि डिजिटल परिवर्तन महत्वपूर्ण लाभ प्रदान कर सकता है, लेकिन यह तकनीकी, संगठनात्मक और रणनीतिक जैसी कई चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करता है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में व्यवसायों के लिए ये चुनौतियाँ विशेष रूप से तीव्र होने की संभावना है, जहाँ पूंजी और कुशल श्रम तक पहुँच सीमित हो सकती है, और जहाँ नियामक और संस्थागत ढाँचे डिजिटल नवाचार के लिए उतने सहायक नहीं हो सकते हैं।

डिजिटल युग में कॉर्पोरेट नियोजन द्वारा प्रस्तुत अवसर

तालिका 2. डिजिटल युग में कॉर्पोरेट योजना द्वारा प्रस्तुत अवसर

अवसर	आवृत्ति	प्रतिशत
डेटा और एनालिटिक्स तक बेहतर पहुंच	9	31%
टीमों के बीच सहयोग बढ़ा	6	21%
नियोजन प्रक्रियाओं में अधिक लचीलापन	5	17%

संसाधनों का अधिक कुशल उपयोग	8	28%
ऊपर के सभी	1	3%
कुल	29	100%

तालिका 2 कॉर्पोरेट योजना के संदर्भ में डिजिटल युग में विभिन्न अवसरों को प्रस्तुत करती है। सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर, अधिकांश कंपनियों ने अपनी कॉर्पोरेट योजना में प्रौद्योगिकी के एकीकरण के कारण डेटा और एनालिटिक्स (31%) तक बेहतर पहुंच का अनुभव किया है प्रौद्योगिकी के साथ, कंपनियां वास्तविक समय में विभिन्न स्रोतों से डेटा इकट्ठा और विश्लेषण कर सकती हैं, जिससे उन्हें अपने व्यावसायिक उद्देश्यों के अनुरूप सूचित निर्णय लेने की अनुमति मिलती है। यह, बदले में, उच्च प्रदर्शन, बेहतर उत्पादकता और उच्च संरक्षक संतुष्टि का कारण बन सकता है।

इसके अलावा, कॉर्पोरेट योजना में प्रौद्योगिकी का समावेश व्यवसायों को अपनी परिचालन दक्षता में सुधार करने और नियमित कार्यों को स्वचालित करने में सक्षम बनाता है दोहराव वाली प्रक्रियाओं को स्वचालित करके, संगठन अपने वर्कफ़्लो को सुव्यवस्थित कर सकते हैं, लागत कम कर सकते हैं और सटीकता बढ़ा सकते हैं, और अधिक मूल्यवर्धित गतिविधियों के लिए संसाधनों को मुक्त कर सकते हैं। इसी तरह, डिजिटल प्रौद्योगिकियां व्यवसायों को विकास के नए रास्ते प्रदान कर सकती हैं, जैसे नए बाजारों में विस्तार करना, नवीन उत्पाद बनाना और ग्राहक अनुभव में सुधार करना (चेन एट अल।, 2020)। इस प्रकार, कॉर्पोरेट योजना में प्रौद्योगिकी को शामिल करने से डिजिटल युग में व्यवसायों की प्रतिस्पर्धात्मकता और स्थिरता में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपाय

तालिका 3. इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए उपयोग किए जाने वाले उपाय

उपचार	आवृत्ति	प्रतिशत
नई प्रौद्योगिकियों में निवेश	9	31%
प्रासंगिक विशेषज्ञता वाले अतिरिक्त कर्मचारियों को नियुक्त करना	7	24%
डेटा और विश्लेषण क्षमताओं में सुधार	9	31%
योजना प्रक्रियाओं को नया स्वरूप देना	3	10%
अन्य	1	3%
कुल	29	100%

प्रौद्योगिकी के संदर्भ में, कई कंपनियां प्रतिस्पर्धात्मक लाभ हासिल करने के लिए एकीकृत करने और सुधार करने में रुचि रखती हैं। यह तालिका 3 में दिखाया गया है कि 31% उत्तरदाताओं ने नई तकनीक में निवेश करने के साथ-साथ डेटा और एनालिटिक्स क्षमताओं में सुधार करने के लिए प्रासंगिक विशेषज्ञता वाले अतिरिक्त कर्मचारियों को नियुक्त

करने की राय दी है, जिनमें से 24% के पास व्यवसायों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के उपाय हैं। डिजिटल युग। नई तकनीक में निवेश करना बेकार है अगर कंपनी इसका ठीक से उपयोग नहीं करेगी, तो बेहतर होगा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि यह दक्षता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए संगठनात्मक लक्ष्य के अनुरूप हो। इसके अलावा, प्रासंगिक विशेषज्ञता वाले अतिरिक्त कर्मचारियों को काम पर रखने से फर्म को नई तकनीक और डेटा एनालिटिक्स के लाभ बढ़ाने में मदद मिल सकती है। हालाँकि, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि अतिरिक्त कर्मचारियों की लागत उन संभावित लाभों से उचित है जो व्यवसाय में ला सकते हैं। इसके अलावा, डेटा और विश्लेषणात्मक सुधार में क्षमता होना भी निर्णय लेने की प्रक्रिया के लिए अच्छा है। पुनः डिज़ाइन करने की योजना प्रक्रिया में राय की दर सबसे कम 10% है।

डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना केवल लोगों को कोड सिखाना ही नहीं है। यह सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक और प्लेटफ़ॉर्म डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है कि व्यक्ति शिक्षा और अभिव्यक्ति से लेकर आजीविका और नागरिकता तक अपने डिजिटल जीवन को सुरक्षित रूप से कैसे नेविगेट करें ,फिलीपीन सांख्यिकी प्राधिकरण (2019) के अनुसार, क्षेत्र III में व्यवसाय, जिसमें नुएवा एसिजा भी शामिल है, डिजिटल परिवर्तन पहल से लाभ उठा सकते हैं। फिलीपींस में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के एस्पिरिटु और फेरर (2019) के अध्ययन ने व्यावसायिक प्रदर्शन में सुधार के लिए डिजिटल परिवर्तन क्षमता का प्रदर्शन किया। इसके अनुरूप, पीडब्ल्यूसी फिलीपींस (2018) ने प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए फिलीपीन व्यवसायों के लिए डिजिटल परिवर्तन के महत्व पर जोर दिया।

निष्कर्ष

डिजिटल युग की पूर्वापेक्षाओं को डिजिटल शिक्षा में अनुवादित किया जा सकता है, जिसे एक बहुत ही गतिशील आयाम के रूप में देखा जाता है जो डिजिटल प्रौद्योगिकियों को शिक्षण प्रक्रिया में एकीकृत करता है और जो रचनात्मक क्षमताओं, महत्वपूर्ण सोच, समाजीकरण और छात्र स्वायत्तता के विकास में योगदान दे सकता है। हम इस बात की सराहना करते हैं कि डिजिटल युग प्रत्येक शिक्षार्थी को व्यक्तिगत और प्रासंगिक स्व-शिक्षा में प्रगति करने का अवसर प्रदान करेगा, स्कूलों द्वारा प्रस्तावित शैक्षिक कार्यक्रम उम्र और व्यक्तिगत विशिष्टताओं के संबंध में डिजाइन किए जाएंगे। माइक्रोसॉफ्ट ने हाल ही में एक अध्ययन के नतीजे जारी किए हैं जिसके अनुसार शिक्षण कार्य में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाले शिक्षक इसका उपयोग नहीं करने वालों की तुलना में पाठों में 30% अधिक समय कमाते हैं। शिक्षा के भविष्य को डिजिटलीकरण पर विचार करना चाहिए, भले ही "कोई भी तकनीकी प्रगति बहुत बड़ी हो, लेकिन यह बड़ी परेशानी के साथ भी आती है। और सोशल मीडिया कोई अपवाद नहीं है। जब संतुलन होता है, तो असाधारण परिणाम और शानदार विकास के अवसर होते हैं, लेकिन जब नियंत्रण खो जाता है, परिणाम विनाशकारी होते हैं, वे पीड़ित पैदा करते हैं और जीवन नष्ट कर देते हैं" इस प्रकार, प्रत्येक शिक्षार्थी को, उम्र और अनुभव की परवाह किए बिना, डिजिटल सीखने के अवसर और उन लाभों तक पहुंच होनी चाहिए जो डिजिटल तकनीक सहायता के रूप में प्रदान कर सकती है।

संदर्भ

1. कपलान, ए.एम. और हेनलेन, एम., 2016। उच्च शिक्षा और डिजिटल क्रांति: एमओओसी, एसपीओसी, सोशल मीडिया और कुकी मॉन्स्टर के बारे में। बिजनेस होराइजन्स, 59(4), पीपी.441-450।

2. निकडेल टेमोरी, ए. और फ़ार्डिन, एम.ए., 2020. कोविड-19 और शैक्षिक चुनौतियाँ: ऑनलाइन शिक्षा के लाभों की समीक्षा। एनल्स ऑफ मिलिट्री एंड हेल्थ साइंसेज रिसर्च, 18(3).जे. क्लर्क मैक्सवेल, विद्युत और चुंबकत्व पर एक ग्रंथ, तीसरा संस्करण, खंड। 2. ऑक्सफ़ोर्ड: क्लेरेंडन, 1892, पृ.68-73।
3. बबिनकाकोवा, एम. और बर्नार्ड, पी., 2020. COVID-19 माध्यमिक विद्यालय बंद होने के दौरान ऑनलाइन´´ प्रयोग: शिक्षण विधियां और छात्र
4. धारणाएँ। जर्नल ऑफ केमिकल एजुकेशन, 97(9), पीपी.3295-3300।
5. स्मिथ, जी.जी., पासमोर, डी., और फ़ौट, टी., 2009. ऑनलाइन नर्सिंग शिक्षा की चुनौतियाँ। इंटरनेट और उच्च शिक्षा, 12(2), पृ.98-103K. एलिसा, "यदि ज्ञात हो तो पेपर का शीर्षक," अप्रकाशित।
6. तादिमेती, वी., 2014. ई-सॉफ्ट कौशल प्रशिक्षण: चुनौतियाँ और अवसर। आईयूपी जर्नल ऑफ सॉफ्ट स्किल्स, 8(1), पृष्ठ 34.एम. यंग, द टेक्निकल राइटर्स हैंडबुक। मिल वैली, सीए: यूनिवर्सिटी साइंस, 1989।
7. जिंदल, अमन और चहल, भूपिंदर। (2020)। भारत में ऑनलाइन शिक्षा के लिए चुनौतियाँ और अवसर। प्रमाण.
8. मुलेंगा, ई.एम. और मार्बन, जे.एम., 2020। भावी शिक्षकों की ऑनलाइन सीखने की गणित गतिविधियाँ, COVID-19 के युग में: एक क्लस्टर विश्लेषण दृष्टिकोण। यूरेशिया जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, साइंस एंड टेक्नोलॉजी एजुकेशन, 16(9), पी.एम1872।
9. करुणानायक, एस.पी. और वीराकून, डब्ल्यू.एम.एस., 2020. श्रीलंकाई स्कूलों में शिक्षकों और शिक्षार्थियों के बीच डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना। जर्नल ऑफ लर्निंग फॉर डेवलपमेंट, 7(1), पीपी.61-77।
10. लियानागुनावार्डेना और अबोशाडी (15) लियानागुनावार्डेना टीआर, अबोशाडी ओए। व्यापक खुले ऑनलाइन पाठ्यक्रम: विकासशील देशों में स्वास्थ्य शिक्षा के लिए एक संसाधन।
11. नॉर्टविग, ए.एम., पीटरसन, ए.के., हेलसिंघोफ़, एच. और ब्रेंडर, बी., 2020। शिक्षक शिक्षा में कला और शिल्प और डिज़ाइन में अभ्यास-आधारित विषयों-मिश्रित शिक्षण में भौतिक शिक्षण स्थानों का डिजिटल विस्तार। कंप्यूटर एवं शिक्षा, 159, पृ.104020।
12. मार्टिन. कोरोना वायरस (कोविड-19) के युग में ऑनलाइन शिक्षण को कैसे अनुकूलित करें: शिक्षकों के लिए 5-सूत्रीय मार्गदर्शिका। 2020.
13. (लखाल, एस., खेचिन, एच. और मुकामुरेरा, जे. उच्च शिक्षा में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में दृढ़ता की व्याख्या: अंतर-अंतर विश्लेषण। इंट जे एडुकटेक्नोल हाई एडुक 18, 19 (2021)।
14. (कोकोल, पी., ब्लेजुन, एच., माइसिटिक-तुर्क, डी. और एबॉट, पी.ए., 2006। नर्सिंग शिक्षा चुनौतियों और अवसरों में ई-लर्निंग। स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी और सूचना विज्ञान में अध्ययन, 122, पृष्ठ 387।)
15. ली, जे.ई. और रेकर, एम., 2021। विश्वविद्यालय के ऑनलाइन परिचयात्मक गणित पाठ्यक्रमों में छात्रों की भागीदारी और प्रदर्शन पर प्रशिक्षकों द्वारा ऑनलाइन चर्चा रणनीतियों के उपयोग का प्रभाव। कंप्यूटर एवं शिक्षा, 162, पृष्ठ104084।
16. कवच, के.एम. (ईडी)। (2010)। खेल शिक्षाशास्त्र. शिक्षण और कोचिंग के लिए एक परिचय. लंदन: पियर्सन.
17. कवच, के.एम. (एड) (2014)। शारीरिक शिक्षा और युवा खेल में शैक्षणिक मामले। लंदन: रूटलेज.
18. अस्करी ई, ब्रेंडन डी, गैल्विन एस, और ग्रीनहो सी (2018) के-12 शिक्षा में युवा, शिक्षा और सोशल मीडिया: क्षेत्र की स्थिति। इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ लर्निंग साइंसेज 2018 कार्यवाही।
19. बैलेंटाइन एन, डंकलफ जेड, और डेली ई (2010) नेटवर्क सोसाइटी में कॉर्पोरेट पेरेंटिंग। जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी इन ह्यूमन सर्विसेज, 28(1-2):95-107।
20. ब्लम-रॉस ए, और लिविंगस्टोन एस (2018)। "स्क्रीन टाइम" नियमों से परेशानी।